हरिनारायण बनाम सरेजा

प्र०सं० 113/24

10/7/24 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित बहस प्रा०पत्र 09 R 9 सुनी गई। बहस वकील प्रार्थी व पत्रावली का अवलोकन करने पर प्रार्थी की ओर से पेश प्रा०पत्र 09 R 9 स्वीकार किया जाकर स्टे अर्जी प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा 163/2018 को पुनः नम्बर पर लिये जाने के आदेश दिये जाते है। पत्रावली फैसल शुमार हो, दर्ज नम्बर से कम होकर, स्टे प्रार्थना पत्र के स्थापित रहे।

उपखण्ड अधिकारी
जयपुर द्वितीय (सांगानेर)

Po... 16/5

न्यायालय उ...

रेस्टोरेशन प्रार्थ...

हरिना...

प्रार्थना पत्र अ...

दीवानी बाबत ...

उनवानी हरिना...

श्रीमान जी,

उनवानी प्रकरण ...

1. यह कि उक्त उ...
सुनवाई हेतु तारी...
को प्रार्थी के अधि...
नही रहा कि प्रा...
सहवन से गलत न...
अंकित हो गयी ...
उपस्थित ना हो ...
वाद/प्रार्थना पत्र ...
हाजरी में प्रकरण क...

...ह कि उक्त प्रक...
गैरहाजरी जानबूझक...
श्रीमा...

Signature Not Verified
Digitally signed by Himmat Singh
Date: 2025.02.10 13:24:46 IST
Reason: SelfAttested